http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 108

प्रयागराज शुक्रवार 03 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

पीएम मोदी से मिले दिलजीत दोसांझ

● सिंगर के गाने पर पीएम ने टेबल बजाई, कहा- नाम की तरह लोगों को जीत लेते हो

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। हाल ही में सिंगर एक्टर दिलजीत दोसांझ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वह पीएम के लिए हाथ में एक गुलदस्ता लिए पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने भी दिलजीत से लंबी बातचीत की। अपने दिल लुमिनाटी टूर के बाद दिलजीत दोसांझ ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। हाल ही में हुई इस मुलाकात की तस्वीरें, वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी से हुई इस मुलाकात में सिंगर, एक्टर दिलजीत काफी खुश नजर आ रहे हैं। पीएम ने बातचीत को बताया यादगार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सिंगर, एक्टर दिलजीत दोसांझ से मुलाकात की। इंटरनेशनल लेवल पर एक अलग पहचान बनाने वाले सिंगर दिलजीत की पीएम ने खूब तारीफ की। सिंगर से हुई बातचीत को प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत ही यादगार बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बातचीत का एक छोटा सा क्लिप शेयर किया है। इस मुलाकात के वीडियो में दिलजीत ने जब गाना गाया तब पीएम मोदी स्टूल से तबले की थाप देते नजर आए। आगे उन्होंने सिंगर की पीठ भी थपथपाई। दिलजीत को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताया प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (ट्वीटर) अकांउट पर एक पोस्ट में कहा– 'दिलजीत दोसांझ के साथ शानदार बातचीत। वह वास्तव में बहुमुखी हैं, प्रतिभा और परंपरा का मिश्रण हैं। हम संगीत, संस्कृति और बहुत सारे माध्यम से जुड़े हैं।' सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी और दिलजीत का जो क्लिप शेयर हो रहा है, उसमें पीएम को कहते सुना जा सकता है कि सिंगर लोगों का दिल जीत रहे हैं। सिंगर दिलजीत का रिएक्शन पीएम मोदी से मुलाकात के बाद सिंगर दिलजीत दोसांझ ने एक्स (ट्वीटर) पर एक पोस्ट में लिखा– ' यह 2025 की शानदार शुरुआत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक बहुत ही यादगार मुलाकात रही। हमने संगीत के अलावा कई चीजों पर बात की।'

टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश

सेवानिवृत्त अधिकारी और शिक्षाविद को सीएम योगी ने सौंपी जिम्मेदारी

लखनऊ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक भी टीबी रोगी छूटने न पाये, यह सबका साझा दायित्व है। अभियान के तहत सीएम योगी ने सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस और कुलपतिगणों को शपथ दिलाई। कहा कि टीबी रोगियों को उपचार के लिए हर सम्भव सहयोग उपलब्ध कराएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्टीबी मुक्त भारतश के संकल्प को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब एक अभिनव पहल की है। मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त हो चुके आईएएस, आईपीएस, पूर्व कुलपतिगणों और शिक्षाविदों व अन्य वरिष्ठ नागरिकों को श्निक्षय मित्रश की बड़ी जिम्मेदारी दी है। श्निक्षय मित्रश के रूप में यह वरिष्ठ नागरिक श्टीबी उन्मूलनश के प्रयासों में जनजागरूकता बढ़ाने के लिए सहयोग करेंगे। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने इस संबंध में सभी के साथ बैठक की और

अफसरों के साथ बैठक में मौजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग का आह्वान किया। विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस और पूर्व कुलपतिगणों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के श्टीबी मुक्त भारतश के संकल्प के बारे में जानकारी दी। उन्होंने स्वस्थ भारत से ही समर्थ भारत का निर्माण संभव है और जब भारत समर्थ होगा तभी शक्तिशाली होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक विश्व को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा था, जिसे मिशन मोड में लेते हुए प्रधानमंत्री जी ने भारत के लिए वर्ष 2025 तक का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व में सबसे अधिक टीबी रोगी भारत मे हैं और भारत को टीबी मुक्त करने के लिए सबसे बड़ी आबादी के राज्य उत्तर प्रदेश में टीबी उन्मूलन अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने टीबी उन्मूलन की दिशा में पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में हुए प्रयासों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में टीबी रोगियों की जांच पहले के मुकाबले चार गुना हो गयी है। नैट एवं एक्सरे मशीनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश में टीबी उपचार की सफलता दर पिछले चार वर्षों में 79 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत हो गयी है।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में भाजपा नेता से हुई जिरह

अगली सुनवाई 10 जनवरी को

सुल्तानपुर,(एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के मामले में दायर केस में बृहस्पतिवार को राहुल गांधी के वकील से भाजपा नेता की जिरह हुई। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए अगली तारीख 10 जनवरी नियत की है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में बृहस्पतिवार को परिवादी भाजपा नेता से जिरह हुई। जिरह पूरी नहीं होने पर एमपी–एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने शेष जिरह के लिए 10 जनवरी की तिथि नियत कर दी है। राहुल गांधी पर बंगलुरु में तत्कालीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। इसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। इसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है। बृहस्पतिवार को परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र से राहुल गांधी के अधिवक्ता ने जिरह की लेकिन जिरह पूरी नहीं हो पाई। कोर्ट ने शेष जिरह के लिए 10 जनवरी की तिथि नियत की है।

सीमा हमारे हाथ में नहीं: ममता

● बांग्लादेशी आतंकियों को प्रवेश देकर बंगाल को अस्थिर करने की साजिश, ममता का बीएसएफ पर बड़ा आरोप

कोलकाता,(एजेंसी)। ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल को अस्थिर करने की साजिश हो रही है। बांग्लादेश सीमा की रक्षा करने वाली बीएसएफ विभिन्न क्षेत्रों से बंगाल में घुसपैठ की अनुमति दे रही है। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी केंद्र सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक तरीके से बांग्लादेश की स्थिति पर केंद्र की प्रतिक्रिया अधूरी थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीमा सुरक्षा बल (BSF) पर बड़ा आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल को अस्थिर करने की साजिश हो रही है। बांग्लादेश सीमा की रक्षा करने वाली बीएसएफ विभिन्न क्षेत्रों से बंगाल में घुसपैठ की अनुमति दे रही है। बांग्लादेशी आतंकी बंगाल में आ रहे हैं। यह केंद्र की नापाक योजना है। टीएमसी महासचिव ने भी लगाए आरोप तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी केंद्र सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक तरीके से बांग्लादेश की स्थिति पर केंद्र की प्रतिक्रिया अधूरी थी। राज्य के भाजपा नेताओं को केंद्रीय नेतृत्व से पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के बारे में जवाब देने के लिए कहना चाहिए। बनर्जी ने कहा कि राज्य के भाजपा नेता जो हर मामले में तृणमूल कांग्रेस सरकार की गलती ढूंढते हैं और विरोध प्रदर्शन करते हैं, वे बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य समुदायों पर जारी अत्याचारों के बारे में केंद्र सरकार की अधूरी प्रतिक्रिया के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। टीएमसी और राज्य सरकार बांग्लादेश की स्थिति पर केंद्र के फैसले और प्रतिक्रिया का पालन करेगी। सांसद बनर्जी ने कहा कि अगर बंगाल के भाजपा नेता पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के बारे में इतने सचेत हैं, तो वे दिल्ली में अपनी सरकार पर उचित जवाब देने के लिए क्यों नहीं दबाव डाल रहे हैं? उन्होंने लोगों से राज्य में शांति और सद्भाव बनाए रखने तथा उन लोगों पर ध्यान नहीं देने का आह्वान किया जो बांग्लादेश का हवाला देकर हिंसा में लिप्त होने और कानून–व्यवस्था को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं। टीएमसी पार्षद की गोली मारकर हत्या, ममता बनर्जी ने जताया दुख पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में गुरुवार सुबह तृणमूल कांग्रेस के पार्षद दुलाल सरकार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि टीएमसी पार्षद सरकार को झलझलिया मोड़ इलाके में बाइक सवार हमलावरों ने गोली मारी। हमले के बाद उनको नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। मामले की जांच की जा रही है। पार्षद की हत्या पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुख जताया। सीएम ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि मेरे करीबी सहयोगी और बेहद लोकप्रिय नेता बबला सरकार की हत्या कर दी गई।

'2026 के बाद केंद्र सरकार के चलने पर संदेह, मोदी कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे'

मुंबइ,(एजेंसी)। शिवसेना नेता पिछले महीने महायुति गठबंधन पर हमला बोला था। संजय राउत ने कहा था कि महायुति गठबंधन में सहयोगी दल केवल सत्ता के लिए साथ हैं। उनमें वैचारिक समानता बिल्कुल भी नहीं है। पहले वे अपनी पार्टी की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान देते हैं और फिर सरकार बनाने के लिए साथ आते हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना सांसद संजय राउत ने एक बार फिर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, श्मेरे मन में संदेह है कि 2026 के बाद केंद्र सरकार बचेगी या नहीं? मुझे लगता है कि मोदी अपना कार्यकाल पूरा नहीं करेंगे और एक बार केंद्र सरकार अस्थिर हो गई तो इसका असर महाराष्ट्र पर भी पड़ेगा।श महायुति पर पहले ही साध चुके निशाना इससे पहले शिवसेना नेता पिछले महीने महायुति गठबंधन पर हमला बोला था। संजय राउत ने कहा था कि महायुति गठबंधन में सहयोगी दल केवल सत्ता के लिए साथ हैं। उनमें वैचारिक समानता बिल्कुल भी नहीं है। पहले वे अपनी पार्टी की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान देते हैं और फिर सरकार बनाने के लिए साथ आते हैं। महाराष्ट्र में महायुति की जीत महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) का प्रदर्शन अच्छा नहीं था। पार्टी 36 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन उन्हें केवल 10 पर ही जीत मिली। भाजपा 132 से ज्यादा सीटें जीती। वहीं अगर भाजपा नीत महायुति के घटक दलों की बात करें तो एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने 57 और अजित पवार की राकांपा 41 सीटें जीतने में कामयाब रही। महाविकास आघाड़ी (कांग्रेस, शिवसेना–यूबीटी, राकांपा–एसपी) ने सिर्फ 46 सीटें जीतीं।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में बताया

नीट–यूजी परीक्षा पर विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को लागू करेंगे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। बीते साल 2 अगस्त को शीर्ष अदालत ने नीट–यूजी परीक्षा फिर से कराने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। याचिका खारिज करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि परीक्षा के दौरान पेपर लीक या गड़बड़ी के पर्याप्त सबूत नहीं मिले। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में बताया कि वे नीट–यूजी की परीक्षा को लेकर विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को लागू करेंगे। सरकार ने बीते साल नीट–यूजी की परीक्षा कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के कामकाज की समीक्षा के लिए सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित की थी। इस समिति को परीक्षा में संशोधन के सुझाव देने हैं। समिति में ये लोग शामिल बीते साल 2 अगस्त को शीर्ष अदालत ने नीट–यूजी परीक्षा फिर से कराने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। याचिका खारिज करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि परीक्षा के दौरान पेपर लीक या गड़बड़ी के पर्याप्त सबूत नहीं मिले। सुप्रीम कोर्ट ने सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति के कार्यकाल को भी बढ़ाने का निर्देश दिया था। बता दें कि इस विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता इसरो के पूर्व चीफ के राधाकृष्णन कर रहे हैं। इस समिति को परीक्षा को पार्दर्शी बनाने और धांधली रहित बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति के अन्य सदस्यों में रणदीप गुलेरिया, बीजे राव, राममूर्ति के, पंकज बंसल, आदित्य मित्तल और गोविंद जायसवाल भी शामिल हैं। समिति ने दाखिल की रिपोर्ट गुरुवार को केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ को बताया कि केंद्र द्वारा नियुक्त समिति ने अपनी रिपोर्ट दाखिल कर दी है और सरकार सभी सिफारिशों को लागू करेगी। मेहता ने कहा, श्हम सभी सिफारिशों को लागू करने जा रहे हैं और इसे (मामले को) छह महीने बाद सूचीबद्ध किया जा सकता है।श पीठ ने कहा, श्मामले को तीन महीने के लिए स्थगित किया जाता है। इसके बाद पीठ ने मामले को अप्रैल में सूचीबद्ध करने का निर्देश समिति को सौंपी गई थी ये जिम्मेदारी चिकित्सा स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा नीट–यूजी परीक्षा आयोजित कराई जाती है।

सीएम नीतीश कुमार के लिए खुले हैं दरवाजे: लालू प्रसाद

पटना,(एजेंसी)। कुछ दिन पहले ही तेजस्वी यादव ने कहा था कि सीएम नीतीश कुमार अब थक चुके हैं। उनके लिए महागठबंधन का दरवाजा बंद है। अब लालू प्रसाद के इस बयान ने सबको चौंका दिया है। सियासी गलियारे में भी हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में रहेंगे या महागठबंधन शामिल होंगे? इन दिनों यह सवाल सभी लोग पूछ रहे हैं। इसी सवाल को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के सुपीमो लालू प्रसाद यादव ने जो बयान दिया है, वह चौंकाने वाला है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा है कि सीएम नीतीश कुमार के लिए दरवाजे खुले हुए हैं। वह साथ में आएं और काम करें। वह अगर महागठबंधन के साथ आना चाहते हैं तो आ जायें। इस बयान ने सियासी गलियारे में हलचल तेज कर दी। साथ ही एनडीए खेमे की बेचौनी भी बढ़ा दी है। दरअसल, एक जनवरी को राजद सुप्रीमो की पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का जन्मदिन था। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान जन्मदिन को लेकर आयोजित किए गये समारोह में शामिल हुए थे। इसी दौरान पत्रकारों ने लालू प्रसाद से सीएम नीतीश कुमार लेकर सवाल किया तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता और सीएम नीतीश कुमार ने दरवाजे हमेशा खुला हुये हैं। इधर, कुछ दिन पहले ही तेजस्वी यादव ने कहा था कि सीएम नीतीश कुमार अब थक चुके हैं। उनके लिए महागठबंधन का दरवाजा बंद है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि सीएम नीतीश कुमार को लेकर जो भी फैसला होगा वह पार्टी आलाकमन करेगी। उनका फैसला हम सबके लिए सर्वमान्य होगा।

इसके बाद अब लालू प्रसाद के इस बयान ने सबको चौंका दिया है। वहीं, लालू यादव के बयान में हलचल और भी बढ़ा दी है।

'महिलाओं को अपने आभूषण खोने पड़ रहे'

● कांग्रेस का सरकार पर महिलाओं का मंगलसूत्र चुराने का आरोप, कहा- गोल्ड लोन पर बढ़ रहे डिफॉल्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार की बढ़ती रिश्तेदारी, अनियमित नीति निर्माण और विकृत प्राथमिकताओं ने इसे देश के इतिहास में एकमात्र सरकार बना दिया है जो महिलाओं से मंगलसूत्र चुराने का कलंक हासिल कर चुकी है। कांग्रेस ने गुरुवार को एक बार फिर मोदी सरकार पर महिलाओं के मंगलसूत्र को चोरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र के मित्र पूंजीवाद, मनमौजी नीति निर्माण और गलत प्राथमिकताओं के कारण सोने के कर्जों पर डिफॉल्ट बढ़ रहे हैं। इसकी वजह से महिलाएं अपना मंगलसूत्र तक खो रही हैं। 30 प्रतिशत गोल्ड लोन पर चूक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि लोग कम से कम 30 प्रतिशत गोल्ड लोन पर चूक कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, श्मोदी सरकार की बढ़ती रिश्तेदारी, अनियमित नीति निर्माण और विकृत प्राथमिकताओं ने इसे देश के इतिहास में एकमात्र सरकार बना दिया है जो महिलाओं से मंगलसूत्र चुराने का कलंक हासिल कर चुकी है।श तीन लाख करोड़ रुपये के गोल्ड लोन. .. उन्होंने कहा, श्जब नॉन–बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री मंगलसूत्र छीनने की एक काल्पनिक साजिश को लेकर लोगों को डरा रहे थे, तब हमने उनके कार्यकाल के दौरान गोल्ड लोन में तेजी से हुई वृद्धि का मुद्दा उठाया था। अनुमानित रूप से करीब तीन लाख करोड़ रुपये के गोल्ड लोन भारतीय परिवारों के पास हैं, जो आज तक बकाया हैं। अब यह सामने आ रहा है कि कर्ज बढ़ने और अर्थव्यवस्था के सुस्त होने के साथ, गोल्ड लोन डिफॉल्ट होने के मामले बढ़ रहे हैं।श उन्होंने आगे कहा, श्वर्ष 2024 में मार्च और जून के बीच तीन महीनों में गोल्ड लोन एनपीए का अनुपात 30 प्रतिशत बढ़ा है– 5,149 करोड़ रुपये से 6,696 करोड़ रुपये। ये तो सिर्फ औपचारिक क्षेत्र के गोल्ड लोन्स हैं – इसका कोई अनुमान नहीं है कि कितने परिवारों ने अनौपचारिक क्षेत्र का सहारा लेकर इस तरह का लोन लिया है।श श्महिलाओं को अपने आभूषण खोने पड़ रहेश रमेश ने कहा कि जब परिवार इस तरह के लोन्स के मामलों में डिफॉल्ट करते हैं, तब आम तौर पर उन्हें अपनी सोने की संपत्ति खोनी पड़ती है – ज्यादातर मामलों में महिलाओं के आभूषण होते हैं, जिसमें मंगलसूत्र भी शामिल है। मोदी सरकार के मित्र पूंजीवाद, मनमौजी नीति निर्माण और गलत प्राथमिकताओं ने इसे स्वतंत्र भारत के इतिहास में महिलाओं से मंगलसूत्र छीनने वाली एकमात्र सरकार बना दिया है।

सम्पादकीय

नीतीश को महंगा पड़ेगा छात्रों पर जुल्म

बिहार में बीपीएससी परीक्षा में धांधली पर छात्रों का आंदोलन उठ खड़ा हुआ है। छात्रों की मांग है कि सभी 912 केन्द्रों में बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षाएं दोबारा हों। इस मांग पर पखवाड़े भर से जारी आंदोलन को कुचलने के लिये बिहार सरकार अब बर्बरता पर उतर आई है। रविवार की रात को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास एकत्रित हजारों परीक्षार्थियों पर पुलिस ने भीषण लाठी चार्ज किया और कड़कड़ाती ठंड में पानी की बौछारें फेंकी। उनका जमावड़ा सुबह से होने लगा था जिन्हें पुलिस बार–बार चेतावनी दे रही थी कि उन्हें प्रदर्शन की इजाजत नहीं है। इसे अनसुना करते हुए बड़ी संख्या में एकत्र हुए परीक्षार्थी पुलिस के बल प्रयोग से घायल हुए हैं तथा अनेक लोगों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज हुई है। नौजवानों के इस जुटान का फायदा लेने के लिये जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी पहुंचे और मुख्य सचिव से मिल आये। लौटकर उन्होंने इस बात का श्रेय लेने की कोशिश की कि श्वे 5 प्रतिनिधियों के मिलने की अनुमति लाने में सफल हुए हैं। यदि इसके बाद भी परीक्षार्थी संतुष्ट न हुए तो उससे ऊपर बात की जायेगी। हालांकि रविवार को जब लाठी चार्ज हो रहा था, तो वे मौके से गायब ही हो गये थे। बहरहाल, यह मुद्दा अब लगातार गर्मा रहा है और लोगों में रोष है। अगले साल बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं जिसके लिये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य भर में प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। युवाओं के साथ यह जुल्म और उनकी अनसुनी नीतीश व उनकी गठबन्धन सरकार को महंगी पड़ सकती है। 70वीं संयुक्त (प्रारम्भिक) परीक्षा को लेकर 18 दिसम्बर से प्रदर्शन जारी है। रविवार को परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन का ऐलान कर रखा था। पुलिस ने पहले ही मैदान के सारे गेट बन्द कर दिये। परीक्षार्थी फिर भी मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने लगे। उन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। जब वे इसके बावजूद नहीं रुके तो उन के खिलाफ बल प्रयोग किया गया। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा के लिये सितम्बर में विज्ञापन जारी हुआ था। इसमें शामिल होने के लिये लगभग 5 लाख लोगों ने आवेदन किया था। 3.25 लाख ने 13 दिसम्बर को परीक्षा दी परन्तु इसके पर्चे लीक होने, कई कोचिंग संस्थानों द्वारा दिये गये प्रश्नपत्रों से सवाल मिलने तथा अन्य अनियमितताओं के कारण इस परीक्षा को रद्द करने की मांग होने लगी, लेकिन बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि श्परीक्षा रद्द होने का सवाल ही नहीं है। बेहतर है कि परीक्षार्थी मुख्य परीक्षा की तैयारियों में जुट जायें। यह मुद्दा कहां तक जाता है और सरकार परीक्षार्थियों की मांगें पूरी करती है या नहीं, यह तो आने वाला वक्त ही बतायेगाय परन्तु रविवार के प्रदर्शन में हुई पुलिस कार्रवाई का खामियाजा नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) एवं सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के गठबन्धन को भुगतना पड़ सकता है जिन्हें फिर से जनता का सामना करना है। प्रदर्शनकारियों का तो साफ कहना था कि श्उनकी परीक्षा के बाद 2025 में नीतीश कुमार सरकार की परीक्षा होगी।श इशारा साफ है कि दोनों पार्टियों का मताधार खिसक सकता है। इस प्रदर्शन पर हुई पुलिस कार्रवाई से आंदोलनकारियों के प्रति विभिन्न राजनीतिक दलों में भी नाराजगी हो गयी है। सीपीआई एमएल तो पहले से ही इस आंदोलन का समर्थन कर रहा है। प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता व पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि श्परीक्षार्थियों के साथ जो ज्यादती की गयी है, उसे देखकर कलेजा कांप जाता है।श अन्य विपक्षी दल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी आदि भी नीतीश सरकार पर हमलावर हो गये हैं। यहां तक कि एनडीए में सहयोगी चिराग पासवान ने भी नीतीश सरकार से मांग की है कि छात्रों पर लाठी बरसाने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो। यह मामला नीतीश कुमार पर इसलिये भारी पड़ सकता है क्योंकि रोजगार बिहार का एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। जिस तरह से राज्य की इस सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण परीक्षा को सरकार की कार्यपद्धति ने संदिग्ध और अपारदर्शी बना दिया है, उसके कारण युवाओं एवं आम जनता में भारी रोष है। लोगों को अब वे दिन भी याद आ रहे हैं जब जेडीयू एवं आरजेडी की सरकार थी और जिस दौरान बड़ी तादाद में लोगों को रोजगार मिले थे। पिछले लगभग एक दशक में बिहार में सबसे ज्यादा भर्तियां उसी दौरान हुई थीं। इसे गर्व के साथ दोनों ही दल (जेडीयू–आरजेडी) बतलाया करते थे। परिस्थितियां तब बदलीं जब दोनों दल अलग हो गये। नीतीश कुमार ने पाला बदलकर भाजपा के साथ सरकार बना ली थी। उस अवसर पर जब विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी तो नीतीश कुमार एवं भाजपा के लोगों ने यह कहा था कि श्नौकरियां बांटने का काम केवल तेजस्वी ने नहीं किया बल्कि उसके पीछे सीएम का हाथ था। उनकी मंजूरी से ही भर्तियां हुई थीं। नौकरियां आगे भी मिलती रहेंगीं।श बहरहाल, यह दावा गलत साबित हुआ। अब यह स्वीकार कर लिया गया है कि जितनी भर्तियां उस दौरान निकली थीं, उसका श्रेय तेजस्वी को ही जाता है क्योंकि उन्होंने इसके लिये विशेष अभियान चलाये थे। जब से जेडीयू–भाजपा की सरकार बनी, प्रदेश में भर्तियां एक तरह से या तो रूक गयी हैं या प्रश्न पत्र लीक होने अथवा उनके संदेहास्पद हो जाने के कारण परीक्षाएं रद्द होने का सिलसिला बना रहता है। नीतीश सरकार को चाहिये कि इस मुद्दे पर अविलम्ब आंदोलनकारियों से बात करे और जैसी कि उनकी मांग है, फिर से प्रारम्भिक परीक्षा का आयोजन करे। इसके साथ ही परीक्षाएं पारदर्शी तथा पूर्णतरू निष्पक्ष दिखाई देनी चाहिये ताकि उसे लेकर किसी के मन में कोई भी शंका न रहे। आखिरकार यह प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा जो है।

भव्यता के साथ स्नान, ध्यान और दान की मूल भावना बनी रहे

❍ महाकुम्भ मेला क्षेत्र इन दिनों दूधिया रोशनी में नहाया हुआ है। विशाल पंडाल, टेंट सिटी, अखाड़ों और संस्थाओं के साथ कल्पवासियों की तंबू नगरी आकार ले चुकी है। हर ओर भव्यता दिखाने की कोशिशें हो रही हैं।

विनोद पाठक

13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में महाकुंभ मेले का आयोजन होने जा रहा है। केंद्र की नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार महाकुंभ मेले को दिव्य और भव्य बनाने के प्रयासों में दिन–रात जुटी है। महाकुंभ मेला क्षेत्र इनदिनों दूधिया रोशनी में नहाया हुआ है। विशाल पंडाल, टेंट सिटी, अखाड़ों और संस्थाओं के साथ कल्पवासियों की तंबू नगरी आकार ले चुकी है। हर ओर भव्यता दिखाने की कोशिशें हो रही हैं, लेकिन क्या कुंभ भव्यता का पर्व है? इस विषय पर भिन्न मत हैं, क्योंकि कुंभ की परंपरा स्नान, ध्यान और दान के मेले के रूप में है। यह विश्व कल्याण के लिए वैचारिक मंथन का महापर्व है। ऐसा महापर्व, जिसमें बिना निमंत्रण के करोड़ों लोग पावन गंगा, यमुना और त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए आते हैं। प्रश्न यह है कि क्या घोर बाजारवाद के इस दौर में कुंभ मेला अपनी मूल भावना से दूर हो गया है?

12 वर्ष में होता है कुंभ का आयोजन

प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में प्रत्येक 12–12 वर्ष में कुंभ का आयोजन होता है। हरिद्वार और प्रयागराज में प्रत्येक 6–6 वर्ष में अर्द्धकुंभ भी लगता है। हालांकि, कुंभ स्नान पर्व की परंपरा कब प्रारंभ हुई? इसका कोई निश्चित प्रमाण कहीं उपलब्ध नहीं है। वेदों में अवश्य कई स्थानों पर कुंभ शब्द का प्रयोग हुआ है। जल प्रवाह से उसका संबंध भी है। एक जगह कुंभ शब्द चार की संख्या भी निर्दिष्ट है, लेकिन न तो उसका संबंध अमृत मंथन की कथा से जुड़ पाता है, न ही हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक के चारों कुंभ पर्वों से कोई संगति बन पाती है। हां, पुराणों में कुंभ स्नान का सविस्तार उल्लेख है। स्पष्ट है कि कुंभ स्नान पर्व की परंपरा पुराणों की रचना के पूर्व से प्रचलित है। पुराणों का संकलन गुप्तकाल (320–510 ईस्वी) के मध्य माना जाता है।

स्कंदपुराण के अनुसार जब बृहस्पति मेष राशि पर स्थित हो, सूर्य एवं चंद्र मकर राशि पर स्थित हों, माघ अमावस्या का दिन हो, तब इस विशिष्ट ग्रहयोग में प्रयाग के त्रिवेणी संगम पर कुंभ स्नान पर्व का ग्रहयोग बनता है। कुंभ में तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं को दो मुख्य लाभ होते हैं, एक, संगम स्नान और दूसरा, संत–समागम। हमारे यहां देवी–देवताओं के दर्शन व पूजन के पूर्व स्नान की परंपरा रही है।

ग्रह–नक्षत्रों के योग के अनुसार जलस्रोतों में पवित्र स्नान की परंपरा विशेष रूप से है। स्नान पर्वों में कुंभ स्नान का महत्व सर्वोपरि है। साथ ही, कुंभ दर्शन प्रकारांतर से आत्म दर्शन का पर्याय बन गया है। जैसा, लेखक जगदीश गुप्त ने अपनी पुस्तक श्कुंभ–दर्शनश में लिखा है, श्देश–दुनिया के अन्य मेलों की तरह कुंभ मेले में मीना बाजार, घोड़ा बाजार, चिड़िया बाजार और काठ बाजार नहीं लगते और न संगीत–नृत्य के लिए वारांगनाएं सुलभ होती हैं। लीलाओं का प्रदर्शन अवश्य होता है। रामकथा या भागवत कथा का ललित रूप भी सुनने में आता है। कुंभ मेले की प्रकृति दूसरे मेलों से भिन्न है। बाजारवाद के बावजूद कुंभ मेले की मूल भावना अभी तक जाग्रत है। यदि ऐसा न होता तो करोड़ों लोग कठिन परिस्थितियों के बावजूद बिना निमंत्रण एकत्र न होते। हालांकि, कुंभ को महान स्नान पर्व और विराट धार्मिक मेले के रूप में प्रसिद्धि दिलाने का श्रेय आदि शंकराचार्य (780–820 ईस्वी) को दिया जाता है। आदि शंकराचार्य ने ही धार्मिक वाद–विवाद और संवाद के लिए साधु–संन्यासियों को नियत समय पर एकत्र करके सनातन धर्म को सुदृढ़ बनाने का प्रयास किया था। धार्मिक चर्चा–परिचर्चा के लिए कुंभ उपयोगी सिद्ध हुआ है। कुंभ के दौरान साधु–संन्यासी धर्म संसद में विमर्श के बाद समाज को नई दिशा देने का काम करते आए हैं। कुंभ मेला तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं को जहां स्नान–ध्यान और दान का मौका देता है, वहीं साधु–संन्यासियों के विचार रूपी अमृत के पान का अवसर भी मिलता है। हिंदू चेतना के प्रचार और प्रसार में कुंभ का योगदान अतुलनीय है। भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति का प्रदर्शन वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रयास रहा है कि दुनिया को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति से परिचित कराया जाए। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर हो या अयोध्या में भगवान राम का मंदिर या उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर या देशभर में विकसित किए जा रहे अन्य धार्मिक स्थल व धाम, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अर्थशास्त्र को साथ लेकर चल रहे हैं। यह सही है कि धार्मिक पर्यटन से देश में लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिल रहा है, लेकिन सनातन धर्म में वैभवता से अधिक त्याग को महत्व दिया गया है। इसके उल्ट महाकुंभ प्रयागराज को भव्य दिखाने के भरसक प्रयास हो रहे हैं। टेंट सिटी से लेकर डोम सिटी तक बनाई जा रही हैं, जिनमें फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाओं मुहैया कराने के दावे हो रहे हैं। इनका किराया लाखों रुपए में है। निश्चित ही सरकार प्रयागराज में महाकुंभ मेले को दिव्य के साथ भव्य भी बनाए, लेकिन कुंभ की मूल भावना स्नान, ध्यान और त्याग को साथ लेकर चला जाए। यह दायित्व सरकार के साथ साधु–संन्यासियों और समाज का भी है।

2025: दिल्ली और विपक्षी एकजुटता

नये साल, 2025 के संबंध में, गुजरता हुआ साल जाते–जाते कुछ महत्वपूर्ण संकेत दे गया है। इनमें प्रमुख चुनावी संकेतों पर नजर डाल ली जाए। गुजरे हुए साल को किसी भी तरह से क्यों न देखा जाए, इसे देश के स्तर पर भी एक बहुत ही घटनापूर्ण साल कहना पड़ेगा। इस साल, देश में बहुत ही महत्वपूर्ण और दिलचस्प आम चुनाव हुए। बेशक, इन चुनावों के नतीजे में, जैसा कि सभी जानते हैं, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भाजपा ने लगातार तीसरे बार सरकार बनाई है। लेकिन, यह भी सच किसी से छुपा हुआ नहीं है कि भाजपा की इस जीत में भी हार का एक बारीक स्वर समाया हुआ था। चार सौ पार के नारे के साथ और उसके बल पर संविधान ही बदल डालने के इरादों के साथ चुनाव में उतरी भाजपा, पिछले दो चुनावों में हासिल रहे अपने साधारण बहुमत और पिछले आम चुनाव में मिली 303 सीटों से बहुत पीछे, 240 के आंकड़े पर ही अटकी रह गयी और उसे सरकार बनाने के लिए एक ओर चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम, दूसरी ओर नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड आदि सहयोगी पार्टियों की बैसाखी का सहारा लेना पड़ा है। एनडीए के अपने सहयोगियों के साथ मिलकर भी सत्ता पक्ष बहुमत के आंकड़े से मुश्किल से बीस सीटें ज्यादा हासिल कर पाया है। इसका नतीजा यह हुआ है कि तीसरे कार्यकाल में मोदी की भाजपा के पहले करीब छरू महीने ने सचेत रूप से यह दिखाने की कोशिश करने में ही गुजरे हैं कि वह वाकई एक गठबंधन की सरकार चला रही है। यह बात दूसरी है कि यह कथित गठबंधन की सरकार भी, वास्तविक आचरण में मोदी के दूसरे कार्यकाल से खास अलग नहीं हैय तीसरे कार्यकाल में भी कम से कम महत्वपूर्ण निर्णयों के मामले में गठबंधन की कोई भूमिका नहीं है और निर्णयों का अधिकार अब भी सिर्फ मोदी की भाजपा के हाथ में है। हां! दूसरे कार्यकाल से भिन्न, कभी–कभार सत्ताधारी एनडीए की समारोही बैठकें जरूर होने लगी हैं, जिन्हें मोदी के पहले कार्यकाल के बाद भुला ही दिया गया था।मोदी के दूसरे और तीसरे कार्यकालों के बीच यह अंतर, आम चुनाव में विपक्ष की ताकत में जिस खासी बढ़ोतरी का नतीजा है, वह बेशक मोदी राज की लगभग सभी मोर्चों पर घोर विफलताओं पर और इन विफलताओं की ओर से ध्यान हटाने के लिए, बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिकता के उसके खुले खेल पर, आम भारतवासियों की नाराजगी का नतीजा है। लेकिन, आम लोगों की इस नाराजगी को एक विकल्प की ओर केंद्रित करने में, व्यापक विपक्षी एकता की उस परिघटना की केंद्रीय भूमिका रही थी, जिसने इंडिया नामक मंच के जरिए रूप ग्रहण किया था। संक्षेप में इस परिघटना ने मोदी नहीं तो कौन के रेहटॉरिकल सवाल का एक कन्विंसिंग जवाब जनता के सामने पेश कर दिया था। मोदी की जगह, इंडिया की सरकार! बेशक, इंडिया ब्लाक के गठन ने इस आम चुनाव में काफी दूर तक विपक्ष को पड़ने वाले वोट को एकजुट करने के जरिए, सत्ता पक्ष की गिनती की बढ़त को क्षति पहुंचाने का काम किया था। देश के बड़े हिस्से में, औपचारिक रूप से न सही, व्यावहारिक रूप से तो इस चुनाव में सीधे मुकाबले की स्थिति बन ही गयी थी। बहरहाल, इस मंच का प्रभाव विपक्ष के इस पहले ही मौजूद वोट को एक जगह इकठ्ठा करने तक ही सीमित नहीं थी। इससे ज्यादा नहीं तो कम से कम इतने ही महत्वपूर्ण रूप से इसने, विपक्ष की इस एकजुटता के साथ, प्रभावशाली तथा असरदार तरीके साथ, मोदी राज के जनविरोधी चरित्र के संबंध में आम लोगों को कन्विंस करने का भी काम किया था। और इससे बनी जन–भावना का एक महत्वपूर्ण नतीजा यह भी था कि जहां एक के मुकाबले एक उम्मीदवार की स्थिति नहीं भी बन सकी थी, वहां भी जनता ने खुद ही विपक्षी उम्मीदवारों में से इस विरोध की अभिव्यक्ति के लिए सबसे उपयोगी विपक्षी उम्मीदवार को चुन लिया था और विपक्ष के ही बाकी उम्मीदवारों को नकार कर मुकाबला व्यवहार में एक प्रकार से एक के मुकाबले एक उम्मीदवार का बना दिया था। इस तमाम पृष्ठभूमि की थोड़ा विस्तार से याद दिलाने की जरूरत इसलिए पड़ी है कि नये साल के लिए राजनीतिक संकेतों को इस संदर्भ के बिना नहीं पकड़ा जा सकता है। यह संदर्भ, दिल्ली से जुड़े के मामले में आए संकेतों को समझने के लिए खासतौर पर जरूरी है। याद रहे कि नये साल में, दो ही महत्वपूर्ण चुनाव होने हैंकृसाल के पहले महीनों में दिल्ली का चुनाव और साल के मध्य में बिहार का चुनाव। दिल्ली के चुनाव के सिलसिले में वैसे तो संकेत, पांच साल पहले के विधानसभाई चुनाव के समीकरणों के कमोबेश ज्यों का त्यों दोहराए जाने के ही हैं। इस बार चुनाव में भी, पांच साल पहले हुए चुनाव की तरह ही न सिर्फ आम आदमी पार्टी विधानसभा में जबर्दस्त बहुमत–प्राप्त पार्टी की हैसियत से चुनाव मैदान में उतर रही है, उसका मुकाबला विधानसभा में इकलौती विपक्षी पार्टी के रूप में भाजपा से तो है ही, इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी भी चुनाव में तीसरा कोना बनाने की कोशिश कर रही है। लेकिन, 2020 के विधानसभाई चुनाव से यह समानता सिर्फ ऊपरी समानता है और इसके आधार पर पिछली बार के ही नतीजों की एक बार फिर पुनरावृत्ति का अनुमान लगाना, सतही ही कहा जाएगा। जाहिर है कि इन पांच सालों में और खासतौर पिछले करीब एक साल के दौरान, राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण बदलाव तो इंडिया मंच का उदय ही है। हालांकि, यह मंच प्राथमिक रूप से संसदीय चुनाव के लिए ही खड़ा किया गया था और संसदीय चुनाव से ठीक पहले भी और खासतौर पर संसदीय चुनाव के बाद, विधानभाई चुनावों में इस गठबंधन को, मुख्यतरू उसकी भाजपा–विरोधी धार के साथ ज्यों का त्यों बनाए रखना संभव भी नहीं हुआ है। संसदीय चुनाव के बाद से विधानसभाई चुनाव के जो दो चक्र गुजरे हैं, उनमें भी इस मामले में रिकार्ड मिला–जुला ही रहा है। जहां पहले चक्र में जहां जम्मू–कश्मीर में एक हद तक इंडिया ब्लाक को बनाए रखा जा सका था, हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच सीटों पर समझौता न होने के चलते, विपक्षी एकता की इस संकल्पना को धक्का लगा था। लेकिन, आम चुनाव के बाद से विधानसभाई चुनावों के दूसरे चक्र में, झारखंड तथा महाराष्ट्र, दोनों में ही कमोबेश इंडिया गठबंधन को बनाए रखा जा सका था। बहरहाल, दिल्ली के विधानसभाई चुनाव में एकजुट इंडिया ब्लाक के रूप में उतरने की वास्तव में कोई गंभीर कोशिश हुई हो, इसके कोई संकेत नजर नहीं आते हैं। बेशक, इसका कुछ न कुछ संबंध, आम चुनावों के अनुभव से भी है, जिनमें सीटों के तालमेल के तहत, दिल्ली की कुल सात सीटों में से कांग्रेस पार्टी ने तीन और आम आदमी पार्टी ने चार सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ा था और इसके बावजूद भाजपा दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटें जीतने में कामयाब रही थी, जैसे कि वह इससे पहले 2014 के चुनाव में भी सभी सीटें जीतने में कामयाब रही थी। इसलिए, लोकसभा चुनाव से एक सरल सा नतीजा यह निकाला जा सकता था और निकाल लिया गया लगता है कि भाजपा के विरुद्घ कांग्रेस और आप पार्टी के एक साथ आने का, चुनाव में कोई फायदा नहीं है। भाजपा और उसके सहयोगियों के खिलाफ विपक्षी दलों के चुनाव में एकजुट होने में, इस तरह के सरलीकरण के अलावा वस्तुगत समस्याओं का भी आना स्वाभाविक है। खासतौर पर जहां कोई विपक्षी दल सत्ता में हो, उसके प्रति एंटी–इन्कंबेंसी का कोई भी अन्य भाजपा–विरोधी पार्टी अपने समर्थन आधार यानी वोट को बढ़ाने के लिए उपयोग करना चाहेगी। इसके पीछे यह जायज चिंता भी हो सकती है कि अगर तमाम भाजपा–विरोधी सभी ताकतें सत्ताधारी पार्टी के पीछे लामबंद नजर आती हैं, तो भाजपा को ही एंटी–इन्कम्बेंसी का फायदा मिल जाएगा। इसके लिए, एक हद तक इन पार्टियों के अलग–अलग चुनाव लड़ने को भी कई बार समझा जा सकता है। लेकिन, अगर ये विपक्षी पार्टियां भाजपा तथा उसके सहयोगियों के खिलाफ अपनी वृहत्तर लड़ाई के परिप्रेक्ष्य को ही भूलकर, अपनी लड़ाई के मुख्य निशाने को ही भूलकर, एक–दूसरे को ही मुख्य निशाना बनाने लगती हैं, तो वे उस भाजपा–विरोधी जन–भावना के ही साथ विश्वासघात कर रही होंगी, जो इंडिया ब्लाक की धुरी है। दुर्भाग्य दिल्ली में कांग्रेस और आप पार्टी के बीच की होड़, इसी मुकाम तक पहुंचती नजर आती है। कांग्रेस और आप पार्टी के बीच इस तरह के टकराव का, फौरी तौर पर दिल्ली के चुनाव के नतीजों पर हो सकता है कि बहुत ज्यादा असर नहीं पड़े, फिर भी इस प्रकार का टकराव विपक्षी एकता के पक्ष में जनभावना पर जिस तरह की चोट कर सकता है, उसका असर दूर तक दिखाई देगा।

२०२५ में जिन पर्यावरणीय बदलावों की उम्मीद है, उनके लिए जरूरी है सामूहिक प्रयास

❍ 2025 में दुनिया में पर्यावरण क्षेत्र कई बदलावों से गुजर सकता है। समृद्ध देश बेशक गंभीरता न दिखाएं, लेकिन भारत अपने लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में बढ़ता दिख रहा है।

आदित्य पटेल

वेनेजुएला के आखिरी ग्लेशियर, हंबोल्ट ग्लेशियर ने वर्ष 2024 की शुरुआत में अपना ग्लेशियर होने का दर्जा खो दिया, उसे अब बर्फ के मैदान के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। ग्लेशियर 450 हेक्टेयर से सिकुड़कर सिर्फ दो हेक्टेयरघ्का रह गया। अन्य देशों ने भी दशकों पहले अपने ग्लेशियर खोए थे, लेकिन वेनेजुएला आधुनिक समय में उन्हें खोने वाला पहला देश बन गया है। महासागरीय अम्लीकरण अपनी सीमा के करीब पहुंच रहा है। दूसरी तरफ, बाकू में हुए कॉप–29 जलवायु शिखर सम्मेलन को विफल माना जा रहा है। अब प्रश्न यह उठता है कि आखिर इस परिदृश्य में हम वर्ष 2025 में किन पर्यावरणीय बदलावों की उम्मीद कर सकते हैं? उत्सर्जन और गर्मी रू आईपीसीसी की छठी आकलन रिपोर्ट के अनुसार, यदि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी नहीं की जाती है, तो 2030 तक वैश्विक औसत तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस वृद्धि की संभावना है। 2025 तक वैश्विक तापमान में करीब 1.2 डिग्री तक वृद्धि का अनुमान है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, भारत में औसत तापमान में 0.6 डिग्री की वृद्धि हुई है, 2025 तक इसके और बढ़ने के आसार हैं। हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघलेंगे, जिससे गंगा व ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों के जल प्रवाह में अस्थायी वृद्धि होगी। गर्मियों में अत्यधिक हीट वेव, कृषि उत्पादन में कमी और जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। कोयले पर निर्भरता में कमी रू अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन 50 फीसदी तक बढ़ सकता है। सौर व पवन ऊर्जा के संयोजन से करीब 60 फीसदी वैश्विक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का लक्ष्य है। भारत सरकार का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करना है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, 2025 तक भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 280 गीगावाट पहुंच सकती है। इसका परिणाम कोयला आधारित ऊर्जा पर निर्भरता में कमी और कार्बन उत्सर्जन में कमी के रूप में होगा। जैव विविधता की दिशा में रू संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार, 2025 तक दस लाख प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है। भारत सरकार ने प्रोजेक्ट टाइगर और प्रोजेक्ट एलीफेंट जैसे संरक्षण कार्यक्रमों का विस्तार किया है। भारत ने बीते दस वर्षों में रामसर स्थलों की संख्या 26 से बढ़ाकर 85 कर दी है, जिसे 100 तक ले जाने का उद्देश्य है। 2025 तक भारत में संरक्षित क्षेत्रघ्1,000 से अधिक हो सकते हैं।शुद्ध हवा और हौसला रू विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल 70 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण मरते हैं। भारत में 2024 तक पीएम2. 5 और पीएम10 के स्तर को 20–30 फीसदी तक कम करने का लक्ष्य है। दिल्ली, कानपुर और लखनऊ जैसे शहरों में वायु गुणवत्ता सुधार का हौसला दिखाते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों और सख्त प्रदूषण मानकों को अपनाया जा रहा है। घर–घर पानी रू यूनेस्को की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 तक दुनियाघ्में1.8 अरब लोग जल संकट से प्रभावित हो सकते हैं। भारत में बारह नदी घाटियों में रहने वाले करीब 82 करोड़ लोगों के पास प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता 1,000 घनमीटर या उससे कम है–जो जल की कमी के लिए आधिकारिक सीमा है। भारत में 2025 तक, सभी ग्रामीण घरों में पाइप के माध्यम से जल आपूर्ति सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। भारत राह दिखाएगा रू पेरिस समझौते के तहत, 2025 तक ज्यादातरघ्देशों का लक्ष्य अपने निर्धारित राष्ट्रीय योगदान को पूरा करना है। भारत ने 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जनघ्व 2030 तक कार्बन उत्सर्जन तीव्रता को 45 फीसदीघ्कम करने का लक्ष्य रखा है।

साल 2024 में वाराणसी पुलिस ने अपराधियों पर कसी नकेल

वाराणसी। गुजरे साल में कमिश्नरेट पुलिस ने अपराधियों पर नकेल कसी। 70 इनामी अपराधियों को जेल भेजा और 19 अपराधियों के पैर में पुलिस की गोली लगी है। साल 2023 के सापेक्ष अपराध का ग्राफ गिरा है। लूट में 27 प्रतिशत, हत्या में 15 प्रतिशत और डकैती में 300 फीसदी की कमी आई है। हालांकि हत्या के प्रयास मामले चार फीसदी बढ़े हैं। साइबर अपराधियों के खिलाफ भी साइबर क्राइम थाना और साइबर सेल ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की। साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने विभिन्न राज्यों के 19 साइबर गिरोह के 80 अपराधियों को जेल भिजवाया। 5 करोड़ 79 लाख 68 हजार रिफंड कराए। साइबर सेल ने 5531 मोबाइल नंबर को ब्लाक और सोशल मीडिया पर 81 फेक आईडी बंद कराई है।

पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि साल 2022 में 45 हत्या, 2023 में 41 और 2024 में 35 हत्याएं हुईं। लूट के मामले में 27 फीसदी कमी है। साल 2022 में 24, 2023 में 22 और 2024 में 16 लूट की घटनाएं हुई हैं। डकैती 2022 और 2024 में शून्य है। जबकि 2023 में 3 डकैती है। 2024 में हत्या का प्रयास 28, 2023 में 27 और 2022 में 13 है। वाहन चोरी, साधारण चोरी और नकबजनी भी पिछले दो साल के मुकाबले कम है। वहीं, दर्ज आपराधिक मुकदमे में वृद्धि है।

13 अनसुलझे केस को क्राइम ब्रांच ने सुलझाया

आठ साल की मासूम के साथ दुष्कर्म के प्रयास के बाद हत्या हो या फिर पान विक्रेता की गोली मारकर

हत्या समेत अन्य उलझी हुई गुत्थी सुलझाने में एसओजी पास रही। एसओजी प्रभारी मनीष मिश्रा की टीम ने नदेसर में किशोरी की हत्या कर शव पानी की टंकी में छिपाने के मामले को उजागर किया। आरोपी पड़ोसी को गिरफ्तार किया। मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में भी तस्करों की कमर तोड़ी। 13 ऐसे अनसुलझे मामलों को क्राइम ब्रांच ने सुलझाया।

एक लाख के दो, 25 हजार के 38 इनामी हुए गिरफ्तार

पुलिस आयुक्त के अनुसार 70 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इसमें एक लाख के दो इनामी, 50 हजार के एक, 25 हजार के 38 इनामी, 20 हजार के छह, 10 हजार के सात और पांच हजार के 16 इनामी जेल गए। 66 हिस्ट्रीशीटरों की हिस्ट्रीशीट खुली व 3 नए गैंग के 9 अपराधी पंजीकृत हुए।

कुंभनगरी को प्रदूषण मुक्त बनाने का मास्टर प्लान, देशभर से जुटाई जा रहीं थालियां और गिलास

वाराणसी। महाकुंभ में अब चंद दिन बचे हैं। महाकुंभ को भव्य, नव्य और दिव्य बनाने की तैयारी है। इस बार कुंभनगरी को प्रदूषण मुक्त बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। पहली बार मठों और शिविरों में 20 लाख थालियां और पांच लाख गिलास दिए जाएंगे। इसके लिए देशभर से थालियां मंगाई जा रही हैं। इसमें काशी प्रांत से एक लाख थालियां जाएंगी।

टेंट सिटी के रूप में तब्दील हो चुका है मेला क्षेत्र

कुंभ मेला क्षेत्र टेंट सिटी के रूप में तब्दील हो चुका है। 13 अखाड़ों के धर्मध्वज लहराने के साथ उनके पेशवाई भी शुरू हो गई है। नागा साधु–संत शिविरों में प्रवेश करने लगे हैं। वहीं, प्रशासन के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अपने स्तर से तैयारी कर रहा है। पहली बार कुंभ में देशभर से थालियां जुटाई जा रही हैं। इसके लिए विभिन्न प्रांतों से थालियां आ रही हैं।

अभियान चलाकर देशभर से जुटाई जा रहीं थालियां

आरएसएस के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के पर्यावरण गतिविधि के संयोजक अजय ने बताया कि अभियान चलाकर देशभर से थालियां इकट्ठा की जा रही हैं। करीब 20 लाख थालियां जुटाए जाने की तैयारी है। अभी करीब साढ़े छह लाख थालियां पहुंच चुकी हैं। उम्मीद है कि कुंभ शुरू होने से पहले इकट्ठा कर ली जाएंगी। इसके लिए काशी प्रांत से एक लाख से अधिक थालियां जाएंगी। करीब 25 लाख से अधिक थैले भी बांटे जाएंगे।

स्वयंसेवक दिखाएंगे राह

कुंभ मेला में श्रद्धालुओं को राह दिखाने के लिए भी व्यवस्था की जा रही है। आरएसएस के स्वयंसेवक हर प्वाइंट पर लगे रहेंगे। अजय ने बताया कि वे श्रद्धालुओं को स्नान के लिए जाने और बाहर आने तक के लिए मार्ग दर्शक के रूप में कार्य करेंगे। इसके लिए संघ के सभी प्रांतों से स्वयंसेवकों को बुलाए जाएंगे।

प्रदूषण मुक्त महाकुंभ के लिए काशी प्रांत से जाएंगी एक लाख थालियां

वाराणसी। महाकुंभ में अब चंद दिन बचे हैं। महाकुंभ को भव्य, नव्य और दिव्य बनाने की तैयारी है। इस बार कुंभनगरी को प्रदूषण मुक्त बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। पहली बार मठों और शिविरों में 20 लाख थालियां और पांच लाख गिलास दिए जाएंगे। इसके लिए देशभर से थालियां मंगाई जा रही हैं। इसमें काशी प्रांत से एक लाख थालियां जाएंगी। कुंभ मेला क्षेत्र टेंट सिटी के रूप में तब्दील हो चुका है। 13 अखाड़ों के धर्मध्वज लहराने के साथ उनके पेशवाई भी शुरू हो गई है। नागा साधु–संत शिविरों में प्रवेश करने लगे हैं। वहीं, प्रशासन के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अपने स्तर से तैयारी कर रहा है। पहली बार कुंभ में देशभर से थालियां जुटाई जा रही हैं। इसके लिए विभिन्न प्रांतों से थालियां आ रही हैं। आरएसएस के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के पर्यावरण गतिविधि के संयोजक अजय ने बताया कि अभियान चलाकर देशभर से थालियां इकट्ठा की जा रही हैं। करीब 20 लाख थालियां जुटाए जाने की तैयारी है। अभी करीब साढ़े छह लाख थालियां पहुंच चुकी हैं। उम्मीद है कि कुंभ शुरू होने से पहले इकट्ठा कर ली जाएंगी। इसके लिए काशी प्रांत से एक लाख से अधिक थालियां जाएंगी। करीब 25 लाख से अधिक थैले भी बांटे जाएंगे।

बच्चेदानी के बाहर आ गया था प्लेसेंटा सर्जरी कर बचाई मां-बच्चे की जान

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू में डॉक्टरों ने जटिल सर्जरी कर महिला और नवजात की जान बचाई। करीब ढाई घंटे तक चली सर्जरी के बाद महिला और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। प्रसव पीड़ा से परेशान करीब 30 वर्षीय महिला को परिजन स्त्री रोग विभाग में लेकर आए। विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता राय ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि महिला की बच्चेदानी के बाहर प्लेसेंटा आ गया था और पेशाब की थैली से चिपक गया था। इस परिस्थिति में सर्जरी करना इसलिए भी जटिल हो जाता है क्योंकि ज्यादा खून बहने से मरीज व नवजान दोनों की जान का खतरा रहता है। सोमवार को रेडियोलॉजी विभाग के डीएसए यानी डिजिटल सबस्ट्रैक्शन एंजियोग्राफी लैब में सर्जरी की गई। इस दौरान महिला के बच्चेदानी की नस में एक कैथेटर डाला गया, जिससे कि उसके शरीर से खून ज्यादा बाहर न निकल पाए और खून का प्रवाह सामान्य तरीके से होता रहे। फिर सर्जरी कर बच्चे को सुरक्षित निकाला गया। इसके बाद महिला की बच्चेदानी निकाली गई। टीम में ये डॉक्टर रहे शामिल रू प्रो. संगीता राय के निर्देशन में हुई सर्जरी में यूरोलॉजी से डॉ. उज्ज्वल, रेडियोलॉजी से डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. पीके सिंह, डॉ. ईशान कुमार, एनेस्थीसिया से डॉ. अरुण के साथ ही एमसीएच विंग के रेजिडेंट व नर्सिंग स्टाफ का भी सहयोग रहा।

ग्रुप हाउसिंग स्कीम के 76 फ्लैट का नक्शा वीडीए ने छह दिन में किया स्वीकृत

वाराणसी। प्रयागराज जीटी रोड पर 76 फ्लैट समूह आवास योजना का नक्शा वीडीए ने छह दिन में स्वीकृत किया। धनपालपुर, कसवार राजा में प्रस्तावित ग्रुप हाउसिंग स्कीम का मानचित्र स्वीकृत किया गया। विकासकर्ता महेश कुमार की ओर से 3227.7 वर्गमीटर में आवास के लिए मानचित्र के लिए आवेदन किया गया था। इसमें बेसमेंट, स्टिल्ट, 10 तल है। इस स्वीकृति से वीडीए को 1.76 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। यहां 83 कार पार्किंग एवं दो पहिया वाहनों की पार्किंग होगी। ग्रीन क्षेत्र, भवन के चारों ओर 11 मीटर सेटबैक, वाशरूम, लिफ्ट, सीढ़ी की सुविधा दी जाएगी। 212.24 वर्गमीटर ग्रीन क्षेत्र विकसित किया जाना है।

मां-बहन के साथ नाना की बरसी में जा रहे बाइक सवार की चीन के मंझे से कटा गला, मौत

वाराणसी। मां और बहन के साथ बाइक से नाना की बरसी में शामिल होने जा रहे युवक का चौकाघाट फ्लाईओवर पर मंगलवार की दोपहर चीन के मंझे से गला कट गया। खून से लथपथ युवक को नजदीक के कैंसर अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। ट्रॉमा सेंटर पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। इससे पहले भी चौकाघाट फ्लाईओवर पर चीन के मंझे की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। आदमपुर थाना क्षेत्र के कज्जाकपुरा निवासी विवेक शर्मा (25) मंगलवार की दोपहर ढाई बजे बाइक से अपनी मां श्यामा देवी और बहन सोनम को लेकर लहरतारा स्थित ननिहाल जा रहे थे। चौकाघाट फ्लाईओवर पर पहुंचे थे कि चीन का मंझा गले में आकर फंस गया। इससे विवेक चीखे और बाइक से गिर पड़े। विवेक के गले का ज्यादातर हिस्सा चीन के मंझे से कट गया था। इससे मां–बहन रोने लगीं। यह देखकर कुछ राहगीर रुके और तत्काल विवेक को लहरतारा स्थित कैंसर अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया, फिर ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। ट्रॉमा सेंटर के डॉक्टरों ने बताया कि गला कटने से खून बहुत निकल गया था। इस कारण विवेक को होश में नहीं लाया जा सके। बेटे की मौत की सूचना मिलते ही श्यामा देवी और बहन बदहवाश हो गईं। पिता समेत अन्य परिजन भी बीएचयू पहुंचे। नए साल से पहले बेटे की मौत से परिजन दहल उठे और हर किसी की आंखें नम रहीं।

फोरलेन पर बेकाबू कार डिवाइडर से टकराकर पलटी, छह घायल

घोसी। कोतवाली क्षेत्र के जमालपुर के पास मंगलवार दोपहर को फोरलेन पर अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार सवार छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से सीएचसी में भर्ती कराया गया। गोरखपुर के छपिया निवासी संती देवी (45), चंदा देवी (40), बुच्ची (38), नीलम (22), अच्छेलाल (30), तुलेसरी देवी (55) वाराणसी–गोरखपुर फोरलेन मार्ग से घर जा रहे थे। अभी कार से घोसी के पास पहुंचे थे कि कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार के पलटने के बाद आस–पास के लोग भी पहुंचे।

अतिक्रमण हटाने गए पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को ग्रामीणों ने खदेड़ा

घोसी। स्थानीय तहसील क्षेत्र के पिढ़वल गांव में मंगलवार को अतिक्रमण हटाने गए पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने अफसरों की एक नहीं सुनी और उन्हें खदेड़ दिया। अधिकारियों ने खुद से अतिक्रमण हटाने के लिए तीन दिन का समय देकर बैरंग लौट गए। पिढ़वल गांव निवासी कुछ लोग सरकारी जमीन पर कब्जा कर घर बना रहे थे। मामला कोर्ट में चल रहा था। कोर्ट ने पीडब्ल्यूडी के पक्ष में आदेश कर दिया। विभाग के शकील अहमद और पारसनाथ मंगलवार को टीम के साथ जेसीबी लेकर पहुंचे। इतना देख ग्रामीण भड़क गए। विरोध करते हुए अधिकारियों के गाड़ियों को खदेड़ लिया।

एक सिक्स लेन और तीन फोरलेन की मिलेगी सौगात

पीडीडीयू नगर। चंदौली में एक सिक्स लेन, तीन फोरलेन और एक टू लेन का काम पूरा होने वाला है। नए साल में इनके चालू होने से लोगों का सफर सुहाना होगा। वहीं, अत्याधुनिक मछली मंडी चालू होने से ढाई लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इंडो इम्राइल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल नर्सरी से एक लाख से ज्यादा किसान लाभान्वित होंगे। इस साल जिले में आठ बड़ी परियोजनाएं चालू होंगी। पड़ाव चौराहे से गोधना तक 11 किलोमीटर लंबे सिक्स लेन का निर्माण 328 करोड़ से हो रहा है, जो नए साल में पूरा हो जाएगा। 27 अक्तूबर 2022 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय के प्रतिनिधि शिवशंकर पटेल ने इसका भूमि पूजन किया था। काम 80 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। वहीं, पड़ाव से रामनगर तक 198 करोड़ से फोरलेन का काम पूरा हो गया है। 200 करोड़ से गोधना से लेवा मोड़ तक 20 किमी का फोरलेन बन रहा है। वहीं, चंदौली से गाजीपुर के सैदपुर तक 40 किलोमीटर सड़क 490 करोड़ से बन रही है। इसके चालू होने से चंदौली, सकलडीहा और चहनियां के अलावा गाजीपुर के लोगों को सहूलियत होगी। वहीं, 65 करोड़ पीडीडीयू नगर से चहनिया तक 16 किलोमीटर टू लेन का काम भी पूरा हो जाएगा।

मछली मंडी और जिले के पहले स्टेडियम का काम होगा पूरा

नए वर्ष में चंदौली की नवीन मंडी समिति परिसर में अंतरराष्ट्रीय मत्स्य मंडी की शुरूआत होगी। इससे जिले के दो लाख मत्स्य पालकों को आसानी होगी। लगभग 62 करोड़ की लागत से बने अत्याधुनिक मछली मंडी से 50000 ज्यादा लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। वहीं पांच करोड़ रुपये की लागत से धानापुर क्षेत्र के हिंगुतरगढ़ गांव में खेलो इंडिया अभियान के तहत मिनी स्टेडियम की सौगात मिलेगी।

एक लाख से ज्यादा किसान करेंगे सब्जी की खेती

धानापुर ब्लॉक के माधोपुर में सात हेक्टेयर में छह करोड़ रुपये से इंडो इम्राइल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल नर्सरी का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। नए साल में इसके चालू होने की उम्मीद है। यहां रोग मुक्त सब्जी और फलों के पौधों की नर्सरी तैयार की जाएगी। इससे जिले के एक लाख से अधिक किसानों के साथ बिहार के किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा। इंडो इम्राइल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल का शिलान्यास 8 अगस्त 2022 को केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया था।

नए वर्ष में चालू होगा महेवा का ट्रॉमा सेंटर

नए वर्ष में नियामताबाद के महेवा में 20 बेड का ट्रॉमा सेंटर भी शुरू होगा। इसमें 10 बेड का आईसीयू और 10 बेड का जनरल वार्ड होगा। इसके अलावा दो मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर व एक माइनर ऑपरेशन थिएटर रहेगा। 8 दिसंबर 2018 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय की पहल पर स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने महेवा गांव में हाईवे के किनारे इसका शिलान्यास किया था।

व्यवसायिक शिक्षा से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

दस करोड़ रुपये की लागत से नौगढ़ और चकिया में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की सौगात मिलेगी। जहां 12 से 13 व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी। इसके अलावा चकिया में ही संत रविदास राजकीय पालीटेक्निक के पहले सत्र की शुरूआत की उम्मीद है। जहां तीन पाठ्यक्रमों में क्षेत्र के युवाओं को प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी।

महिला शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

जिले में नए वर्ष में तीन नए राजकीय बालिका इंटर कालेज की सौगात मिलेगी। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से जिले में 20 करोड़ रुपये की लागत से तीन राजकीय बालिका इंटर कॉलेज का निर्माण कराया गया है। नए वर्ष में यहां नए सत्र के तहत प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी।

2024 में 6.85 करोड़ श्रद्धालुओं ने किए बाबा के दर्शन

वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद से बाबा के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। 2024 में करीब 6.85 करोड़ श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। ये आंकड़ा पिछले साल से करीब 35.5 लाख ज्यादा है। इस तरह औसतन हर महीने करीब 51 लाख श्रद्धालु बाबा के दरबार पहुंचे। जबकि प्रतिदिन 1.75 लाख भक्तों ने दर्शन किए। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने साल 2024 में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के आंकड़े जारी किए हैं। न्यास के अनुसार श्रद्धालुओं की सबसे अधिक संख्या 2022 में रही। जबकि इस साल 2024 में एक जनवरी से 30 दिसंबर तक छह करोड़ 85 लाख छह हजार 64 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। जो पिछले साल से 35.45 लाख ज्यादा हैं। 2023 में श्रद्धालुओं का आंकड़ा पांच करोड़ 73 लाख 10 हजार 104 था। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि आंकड़ों के अनुसार श्रद्धालुओं की सबसे अधिक संख्या 2022 में रही। 2022 में श्रद्धालुओं की संख्या 7.11 करोड़ लाख 47 हजार 210 श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई थी। श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद से अब तक करीब 19 करोड़ श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। एकमुश्त समाधान योजना के तहत बकाया बिल की वसूली के लिए विद्युत निगम सख्त हो गया है। 17 दिन में अभियान चलाकर बिजली चोरी के आरोप में 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। वहीं, 700 घरों की बिजली काटी गई और 144 उपभोक्ताओं के मीटर उखाड़ लिए गए। इस दौरान 1.25 करोड़ रुपये बकाया बिल की वसूली की गई। विद्युत निगम 15 दिसंबर से एक मुश्त समाधान योजना के तहत चंधासी उपकेंद्र के नौ फीडरों से गांवों में कैंप लगाकर बकाया बिल की वसूली कर रहा है। इसके तहत बकाया बिल जमा करने वालों को सरचार्ज में छूट दी जा रही है। वहीं, बिल जमा नहीं करने वालों पर कार्रवाई भी की जा रही है। इस दौरान बिजली चोरी के मामले पकड़े जाने पर 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। वहीं, 144 उपभोक्ताओं के मीटर भी उखाड़ लिए गए। 1572 उपभोक्ताओं ने योजना के तहत समाधान कराया। इसके अलावा 1.25 लाख रुपये बकाया बिल जमा कराया गया। इसके अलावा लगभग 700 सौ उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए गए। उपखंड अधिकारी मनोज कुमार कष्यप ने बताया कि बिल जमा नहीं करने और बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

तीन डिग्री लुढ़का पारा, बर्फीली हवा से ठिठुरे लोग, स्कूल 14 जनवरी तक बंद

मऊ। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर मंगलवार को शहर सहित जिले के विभिन्न इलाकों में देखने को मिला। 24 घंटे में तीन डिग्री पारा लुढ़क गया। पूरे दिन बादल छाए रहे। बर्फीली हवा से लोग ठिठुरते रहे। प्रशासन ने ठंड के कारण स्कूलों को 14 जनवरी तक बंद कर दिया। 24 घंटे में अधिकतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस गिरावट दर्ज की गई। शीतलहर का कहर जारी रहने के बाद भी जिले के सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त अलाव नहीं जलवाए जा सके हैं। नगर सहित जिले के विभिन्न इलाकों में शीतलहर का कहर जारी रहने से आम लोगों की परेशानी बढ़ती ही जा रही है। मंगलवार को तड़के से ही बादल छाए रहे। दोपहर तक लोगों में मौसम साफ होने की आस थी, मगर इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। शीतलहर और सर्द हवाओं के चलते अधिकतम और न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। बाजार में चहल पहल कम रही। जरूरी काम से ही लोग बाहर निकले। रेलवे और रोडवेज के प्लेटफॉर्म पर प्रतीक्षारत यात्रियों को समय बिताना मुश्किल हो गया। सर्द हवा से ऊनी कपड़े भी राहत नहीं दिला पा रहे हैं। नगर सहित ग्रामीण इलाकों में शाम ढलते ही सन्नाटा पसर जा रहा है। तापमान पर नजर डाली जाए तो मंगलवार को अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम और न्यूनतम 11 डिग्री सेल्सियस रहा। आर्द्रता 81 प्रतिशत रही। जबकि 10 किमी की रफ्तार से हवा चल रही थी। इंदारा। शीतलहर का प्रकोप जारी रहने के बाद भी क्षेत्र के इंदारा, अदरी, पहसा,कोपागंज सहित विभिन्न इलाकों के सार्वजनिक स्थलों पर अलाव नहीं जलवाए जा सके हैं। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। गलन के चलते लोग पूरे दिन ठिठुरते रहे। इस संबंध में क्षेत्र के संजय तिवारी, मुकुद कुमार, रामकेवल, सीता राम, शकील, जावेद अंसारी, अशोक शर्मा का कहना है कि शीतलहर का कहर जारी रहने के बाद भी सार्वजनिक स्थलों पर अलाव नहीं जलवाए जा सके हैं।

धोखे से मां की संपत्ति करा ली अपने नाम, मां की मौत के बाद भाई पर लगाया हत्या का आरोप

मऊ। सरायलखंसी थाने के अहिलाद गांव निवासी एक बुजुर्ग महिला की मायके में मौत के बाद जब बड़ा भाई उसका शव लेकर आया तो छोटे भाई ने उस पर मां की हत्या का आरोप लगाया। उसने पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस आई तो मामले को लेकर गांव वालों से पूछताछ की तो आरोप लगाने वाले की कलई खुल गई। आरोप लगाने वाले बेटे ने मां की जमीन और संपत्ति को अपने नाम करा लिया था। इस बात को लेकर उसका अपने तीन अन्य भाईयों से विवाद था। आरोप लगाने वाले बेटे के बारे में ग्रामीणों ने बताया कि वह अपनी मां से बदसलूकी भी करता था। उससे ऊब कर वह अपने मायके चली गई थी। सोमवार शाम को बड़े बेटे से मिलने के दौरान अचानक हृदय गति थमने से महिला की मौत हो गई। बड़ा बेटे मामा सहित अन्य लोगों की मदद से मां के शव को उसी शाम सात बजे लेकर घर आ गया। उसी बीच जमीन को लेकर अक्सर विवाद करने वाले बेटे ने बड़े भाई पर मां की हत्या का आरोप लगाते हुए डायल 112 को सूचना दी। कुछ देर बाद थानाध्यक्ष भी मौके पर पहुंचे, आस–पास के लोगों से पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अहिलाद गांव निवासी लीलावती देवी (75) पत्नी स्व. रामकिशुन गुप्ता के चार बेटे हैं। दो बेटे बाहर नौकरी करते हैं। सबसे बड़ा बेटा और तीसरे नंबर का बेटा घर पर रहता है। तीसरे नंबर के बेटे ने दो शादी की थी। वह अक्सर परिजनों से विवाद करता था। पिता की मौत के बाद मां के नाम की जमीन को धोखे से अपने नाम करा लिया था, जिस पर तीन भाईयों ने कोर्ट में मुकदमा दर्ज करा दिया। करीब दो माह पहले बुजुर्ग महिला के अपने मायके गाजीपुर के दुल्लहपुर थाना के रेवरिया गांव चली गई थी। मायके में शादी होने पर बुजुर्ग वहीं रूक गई। दो माह बाद सोमवार को बड़ा बेटा मां से मिलने अपने ननिहाल गया था। बेटे से बात करने के दौरान ही बुजुर्ग की अचानक मौत हो गई। घटना से सभी लोग अवाक हो गए। बड़े बेटे ने ननिहाल के लोगों की मदद से मां के शव को अपने घर अहिलाद लेकर आया। तभी तीसरे नंबर का बेटा विवाद करने लगा और मां की हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दे दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के मायके पक्ष और गांव के लोगों से पूछताछ करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के पूरे क्षेत्र में चर्चा होती रही।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, चचेरा भाई घायल

सैयदराजा। स्थानीय थाने के ठीक सामने सोमवार की रात तेज रफ्तार पिकअप ने एक बाइक पर जोरदार टक्कर मार दी। सड़क पर गिरे बाइक सवार दोनों युवकों को रौंदते हुए पिकअप लेकर चालक भाग गया। घायल युवकों को ट्रॉमा सेंटर ले जाते समय रास्ते में एक की मौत हो गई जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। वहीं, पुलिस ने बिहार के सासाराम और दुर्गावती के बीच आरोपी चालक को पिकअप के साथ पकड़ लिया है। सैयदराजा निवासी चचेरे भाई सज्जाद (25) और टोनी (30) सोमवार को अपने भाई की ससुराल में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। रात में घर लौटते समय वाराणसी की ओर से टमाटर लेकर आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक पर जोरदार टक्कर मार दी। इससे बाइक पर पीछे बैठा टोनी छिकटकर पिकअप के बोनट पर जा गिरा और सज्जाद पिकअप के नीचे आकर कुचल गया। हादे के बाद चालक पिकअप लेकर बिहार की ओर भाग गया। आसपास के लोगों ने पुलिस और घायलों के परिजन को सूचना दी। मौके पर पर पहुंचे घायलों को लेकर ट्रॉमा सेंटर जाने लगे लेकिन लेकिन रास्ते में सज्जाद की मौत हो गई। वहीं, टोनी को ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है।

4 चोर गिरफ्तार, 132 एटीएम कार्ड, 4125 रुपये बरामद

मऊ। शहर कोतवाली पुलिस ने चार चोरों को गिरफ्तार किया। चोरों के पास से एटीएम कार्ड, चोरी के 132 एटीएम और नगदी 4125 रुपये बरामद किए गए। चोरों में से दो पर पूर्वांचल के कई जिलों में मुकदमे दर्ज हैं। इसमें आफताब 12 और सुधांशु पर पूर्व में पांच मुकदमे दर्ज है। सीओ सिटी अंजनी कुमार पांडेय ने सोमवार को शहर कोतवाली में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन स्थित कॉलोनी के पास से पुलिस ने अभियुक्त मो. समीर खान निवासी बासुपुर थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़, आफताब निवासी शिवनगर कॉलोनी चांदमारी बड़ा लालपुर थाना शिवपुर, वाराणसी, आदित्य सिंह निवासी काझा नरीम पट्टी थाना रानीपुर जनपद मऊ, सुधांशु सिंह निवासी बाबूतारा थाना लीलापुरा जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया। चोर आफताब पर वाराणसी जनपद के चार थानों में 12, चंदौली जनपद में एक और प्रतापगढ़ के एक थाने में तीन मुकदमा दर्ज है। सुधांशु के खिलाफ प्रतापगढ़ के दो थानों में चार और रायबरेली के एक थाने में एक मुकदमा दर्ज है।

11 डिग्री तक पहुंचा न्यूनतम पारा, जिले की 10 सीएचसी पर ठंड से बचाव के उपाय नहीं

मऊ। दिसंबर के अंत में पारे में लगातार गिरावट कड़ाके की ठंड जारी है। इसके बावजूद भी जिले की किसी भी सीएचसी पर मरीजों के लिए ठंड से बचाव के कोई उपाय नहीं हैं। वार्डों में न तो हीटर लगे हैं न ही बाहर ही कोई अलाव की व्यवस्था है। मरीज और तीमारदार ठंड से बचाव के लिए खुद के संसाधनों का प्रयोग कर रहे हैं। जिले की 10 सीएचसी पर कुल 300 बेड लगे हैं, लेकिन इन सीएचसी पर कहीं पर भी ठंड से बचाव की कोई व्यवस्था नहीं है। विभागीय के आंकड़ों के मुताबिक एक सीएचसी पर रोजाना 200 से अधिक मरीजों का उपचार होता है। एक सीएचसी पर 30 बेड मरीजों को भर्ती कराने के लिए लगाए गए हैं। जनपद में ठंड का सितम इस कदर बढ़ा है कि न्यूनतम पारा 11 डिग्री तक आ पहुंच गया है। लेकिन किसी भी सीएचसी पर मरीजों को ठंड से बचाव के लिए कोई इंतजाम नहीं है। मंगलवार को अमर उजाला की टीम ने जिले की कई सीएचसी की पड़ताल की, इसमें बलिया की सीमा से सटे रतनपुरा सीएचसी में कोई मरीज भर्ती नहीं था। वार्ड में कहीं पर हीटर नहीं लगा था। किसी भी खिड़की पर्दा नहीं लगा था। आने वाले मरीज ओपीडी से परामर्श और दवा लेकर घर चले जा रहे थे। कुछ ऐसा ही हाल रानीपुर सीएचसी का भी था, वहां पर भी इमरजेंसी से लेकर वार्ड में कोई हीटर नहीं लगा था। बेड खाली थे। सीएचसी पर आने वाले मरीजों के तीमारदारों ने बताया कि रात में ठंड से बचाव के लिए कोई संसाधन नहीं होने से मरीजों को परेशानी हो रही है। दोहरीघाट सीएचसी पर वार्ड में कोई मरीज नहीं था। सीएचसी परिसर में अलाव नहीं जल रहा था। चिकित्सक के कमरे में हीटर लगा था। वार्ड में खिड़की पर पर्दा लगा था और सभी शीशे भी सही थे। कोपागंज सीएचसी पर मरीजों के लिए भर्ती वार्ड में हीटर या कोई भी दूसरा संसाधन नहीं था। सीएचसी के अनेक अनुभाग में आने वाले मरीज डॉक्टर से परामर्श लेने के बाद दवा ले रहे थे। घोसी सीएचसी के वार्ड में भी कोई मरीज भर्ती नहीं था।

जिला सहकारी बैंक की दो शाखाओं से 20 लाख का गबन, दो पर केस

घोसी। जनपद की जिला सहकारी बैंक की दो शाखाओं के 55 खातों से 20 लाख रुपये के गबन मामले में सोमवार को दो पर केस दर्ज किया गया।सोमवार का उपमहाप्रबंधक ने थाने में तहरीर दी। इस मामले में पहले भी दो कर्मचारियों का निलंबन हो चुका है। जिला सहकारी बैंक के उपमहाप्रबंधक मनोज कुमार की ओर से दी गई तहरीर के मुताबिक जिला सहकारी बैंक लिमिटेड घोसी एवं मुहम्मदाबाद गोहना की शाखा में ऋण खातों एवं खाता धारकों के खाते से गबन का मामला सामने में आया है, इस मामले की जांच की गई। शाखा घोसी की जांच रिपोर्ट में पाया गया कि 38 खातों से अंकन 1484788 रुपये एवं मुहम्मदाबाद गोहना शाखा की जांच रिपोर्ट के मुताबिक 17 खातों से 494364 रुपये सहित दोनों शाखाओं के 55 खातों से 1979152 का गबन कर लिया गया है। बैंकिंग नियमों का अनुपालन न करते हुए कूटरचित दस्तावेज तैयार कर गबन किया गया है।

25 सेक्टर्स में फैला प्रयागराज महाकुंभ क्षेत्र, कहां, कौन-से घाट और मंदिर?

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। अभी कुंभ मेले की तैयारियां चल रही हैं। इसी बीच प्रयागराज में लगने वाले कुंभ को लेकर वीडियो मैप के जरिए जानकारी साझा की गई है। जिससे महाकुंभ में आने वाले लोगों को कोई परेशानी न हो। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन होगा। आयोजन से पहले महाकुंभ 2025 के एक्स हैंडल पर एक जानकारी साझा की गई है। जिसमें महाकुंभ प्रयागराज 2025 की जानकारी मैप के जरिए बताई गई है। संगम नगरी में लगने वाले कुंभ मेले को पांच जगहों में बांटा गया है। जिसमें झूंसी, तेलीयरगंज, संगम, परेड ग्राउंड और अरैल शामिल है। इसमें भी इन इलाकों को सेक्टर में बांटा गया है। जिसमें 25 सेक्टर हैं। इन सेक्टरों को जोड़ने के लिए पुल भी हैं। जिनकी संख्या 13 है। साथ ही मैप में मुख्य मार्गों की जानकारी दी गई है। कौन सा रास्ता कहां से कहां जा रहा है और किस रास्ते पर कौन सा धार्मिक स्थल होगा। महाकुंभ का आयोजन भारत के चार पवित्र स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में हर 12 साल के अंतराल पर होता है। यह विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है। 2025 में प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम में स्नान करेंगे। इसे लेकर सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू की हैं। इसमें अत्याधुनिक तकनीक, सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा ताकि श्रद्धालुओं के लिए यह अनुभव सहज और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध हो। महाकुंभ 2025 की मेजबानी उत्तर प्रदेश करने को तैयार है। संगम नगरी प्रयागराज में कुंभ मेले का आयोजन हो रहा है। वैसे तो हर साल प्रयागराज में माघ मेला लगता है, लेकिन अर्ध कुंभ और महाकुंभ मेला विशेष धार्मिक महत्व रखता है। इसके पहले साल 2013 में प्रयागराज में महाकुंभ मेला लगा था। साल 2019 में प्रयागराज में भव्य अर्धकुंभ का आयोजन हुआ था। एक बार फिर योगी सरकार महाकुंभ के आयोजन के लिए तैयार है। हिंदू तिथि के अनुसार, हर 12 साल में पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व के साथ महाकुंभ की शुरुआत होती है और महाशिवरात्रि पर खत्म होता है। कुंभ की भव्यता और मान्यता का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि कुंभ में स्नान करने के लिए लाखों–करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। इस वर्ष 13 जनवरी 2025 को महाकुंभ की शुरुआत होगी, जिसका समापन 26 फरवरी 2025, महाशिवरात्रि को होगा। महाकुंभ 45 दिन तक चलता है।

संतों का प्रशासन ने स्वागत किया

महाकुंभ नगर। पांच किमी का रास्ता तय कर अखाड़े की प्रवेश यात्रा

महाकुंभ के सेक्टर 20 पहुंची। रास्ते में कई जगह महा कुम्भ प्रशासन की तरफ से संतों का पुष्प वर्षा से स्वागत हुआ। प्रवेश यात्रा में फूल से सजे भाले जिन्हें अखाड़ो के इष्ट से कम सम्मान नहीं मिलता। अखाड़े की पेशवाई में अखाड़े के जुलूस में भी आगे था। ष्सूर्य प्रकाशष नाम का वह भाला जो केवल प्रयागराज के महाकुम्भ में ही अखाड़े के आश्रम से महाकुम्भ क्षेत्र में निकलता है।

नागा संन्यासियों की फौज बनी आकर्षण और आस्था का केंद्र।

महाकुंभ नगर। अटल अखाड़े के नागा संन्यासियों की फौज को देखने

के लिए शहर में स्थानीय लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। इष्ट देवता गणपति के पीछे चल रहे अखाड़े के पूज्य देवता भालो के बाद कतार में नागा सन्यासी चल रहे थे। यह पहला अखाड़ा था जिसमें नागा संन्यासिनियों ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज की। छावनी प्रवेश में एक बाल नागा भी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती का कहना है कि छावनी में दो दर्जन से अधिक महा मंडलेश्वर और दो सौ से अधिक नागा संन्यासी शामिल थे। रथों में सवार अखाड़े के संतों का आशीर्वाद लेने के लिए लोग सड़कों के दोनो तरफ दिखे।

श्रीशंभूपंच दशनाम अटल अखाड़ा ने महाकुम्भ मेला में प्रवेश किया।

महाकुंभ नगर। बुधवार को श्री शंभू पंचदशनाम अटल अखाड़े ने छावनी

प्रवेश किया। आदि गुरु शंकराचार्य के प्रयास से छठी शताब्दी में संगठित रूप में अस्तित्व में आये अखाड़ो की स्थापना शस्त्र और शास्त्र दोनों को आगे बढाने के लिए की गई। शास्त्र ने अगर शंकर के धार्मिक चिंतन को जन जन तक पहुचाया तो वही शस्त्र ने दूसरे धर्मो से हो रहे हमलो से इसकी रक्षा की। इन्ही अखाड़ो में शैव सन्यासी के अखाड़े श्री शंभू पञ्च दशनाम अटल अखाड़ा ने कुम्भ क्षेत्र में प्रवेश के लिए अपनी भव्य छावनी प्रवेश यात्रा निकाली। अलोपीबाग स्थित अखाड़े के स्थानीय मुख्यालय से यह प्रवेश यात्रा निकाली गई। प्रवेश यात्रा में परम्परा, उत्साह और अनुशासन का खूबसूरत मेल देखने को मिला। आचार्य महा मंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती की अगुवाई में यह प्रवेश यात्रा निकली। सबसे आगे अखाड़े के ईष्ट देवता भगवान गजानन की सवारी और उसके पीछे अखाड़े के परंपरागत देवता रहे।

नैनी व प्रयागराज छिवकी स्टेशनों का निरीक्षण किया

प्रयागराज। अमिय नन्दन सिन्हा महानिरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल, उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा आगामी महाकुम्भ–2025 की सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों को जांचने के लिए प्रयागराज परिक्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले महत्वपूर्ण स्टेशन नैनी व प्रयागराज छिवकी का निरीक्षण में वरिष्ठ मण्डल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल , प्रयागराज को महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश दिये गये। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे द्वारा आने वाले श्रद्वालुओं की सुरक्षा के साथ–साथ रेलवे स्टेशनों व रेलवे ट्रैक की सुरक्षा हेतु आरपीएफ उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारिया की गयी हैं।

16 माह बाद भी जारी नहीं हुआ पीसीएस जे का कटऑफ, सवालों के घेरे में पूरी प्रक्रिया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने पीसीएस जे परीक्षा–2022 की चयन प्रक्रिया महज साढ़े छह माह में पूरी कर ली थी लेकिन चयन परिणाम जारी होने के 18 माह बाद भी आयोग परीक्षा का कटऑफ व अभ्यर्थियों के प्राप्तांक जारी नहीं कर सका है। कोर्ट के आदेश पर केवल 23 याचिकाकर्ताओं के प्राप्तांक जारी किए गए हैं। फिलहाल, अब पूरी चयन प्रक्रिया ही सवालों के घेरे में है। मुख्य परीक्षा में कॉपियों की अदला–बदली के बाद आयोग को परिणाम संशोधित करना पड़ा। अब पूरे मामले की जांच न्यायिक आयोग के पास है। पूर्व में आयोग पीसीएस व पीसीएस जे परीक्षा का चयन परिणाम जारी करने के साथ ही परीक्षा का कटऑफ व परीक्षार्थियों के प्राप्तांक जारी कर देता था लेकिन पिछली कुछ परीक्षाओं से इसमें विलंब होने लगा है। आयोग को कटऑफ व प्राप्तांक जारी करने में साल भर से अधिक समय लग जा रहा है। पीसीएस जे–2022 का चयन परिणाम जारी हुए एक साल चार माह बीत चुके हैं लेकिन आयोग ने कटऑफ अंक जारी नहीं किए हैं। पीसीएस जे–2022 की प्रारंभिक परीक्षा 12 फरवरी 2023 को आयोजित की गई थी और प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम 16 मार्च को जारी कर दिया गया था। प्रारंभिक परीक्षा में 3145 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया था। इसके बाद मुख्य परीक्षा व इंटरव्यू का आयोजन किया गया और 30 अगस्त 2023 को 302 पदों का अंतिम चयन परिणाम घोषित कर दिया गया। पीसीएस जे प्रारंभिक परीक्षा से लेकर अंतिम चयन परिणाम जारी करने तक की प्रक्रिया साढ़े छह माह में पूरी कर ली गई। अभ्यर्थी सवाल उठा रहे हैं कि आयोग पीसीएस जे परीक्षा का कटऑफ जारी करने में विलंब क्यों कर रहा है। कॉपियों की अदला–बदली का मामला सामने आने के बाद अभ्यर्थी भी जानना चाहते हैं कि चयन के लिए न्यूनतम व अधिकतम कटऑफ कितना रहा। मुख्य परीक्षा में 3019 अभ्यर्थी शामिल हुए थे और आयोग ने अब तक केवल 23 अभ्यर्थियों के प्राप्तांक ही जारी किए हैं। बाकी अभ्यर्थी भी जानना चाहते हैं कि मुख्य परीक्षा में विषयवार उन्हें कितने अंक मिले। जो अभ्यर्थी इंटरव्यू में पहुंचे, उन्हें कितने अंक दिए गए। प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के मीडिया प्रभारी प्रशांत पांडेय का कहना है कि कटऑफ व प्राप्तांक जारी में हो रही देरी से आयोग की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठ रहे हैं। 23 अभ्यर्थियों के प्राप्तांक जारी किए जाने से स्पष्ट है कि आयोग सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक का वितरण तैयार कर चुका है।

सुरक्षा पर बड़ा सवाल, पकड़ा गया अवैध तरीके से ठहरा विदेशीय श्रद्धालु कैंप में बना चुका था ठिकाना

प्रयागराज में अवैध तरीके से विदेशी नागरिकों के रहने का यह पहला मामला नहीं है। चार महीने पहले यहां युगांडा की एक महिला सिविल लाइंस में अवैध तरीके से स्पा सेंटर में काम करते पकड़ी गई थी। मेला क्षेत्र में एक रूसी नागरिक अवैध तरीके से घूमते हुए पकड़ा गया। जांच में पता चला कि वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी वह पिछले चार महीने से चोरी–छिपे देश में रह रहा था। उसने मेला क्षेत्र के सेक्टर 15 स्थित कैंप में ठिकाना बना रखा था। पुलिस ने उसे वापस भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, संदिग्ध लगने पर पुलिसकर्मियों ने उससे पूछताछ की तो वह घबराने लगा। जानकारी पर स्थानीय खुफिया एजेंसी के अफसर भी आ गए। जांच पड़ताल में विदेशी ने अपना नाम आंद्रे पॉफकॉप और खुद को रूस का बताया। दस्तावेजों की पड़ताल में मालूम हुआ कि उसके वीजा की अवधि सितंबर में ही एक्सपायर हो चुकी है। यह भी पता चला कि वह सेक्टर 15 में ही स्थित

श्रद्धालुओं के रेनबो कैंप में ठहरा था। पिछले 15 दिनों से वह यहां रह रहा था। पूछताछ के बाद उसे कमिश्नरेट पुलिस को सौंप दिया गया। विस्तृत जांच पड़ताल के बाद आरोपी को विदेशिक पंजीकरण कार्यालय ले जाया गया। इसके बाद वहां से उसके निर्वासन के संबंध में कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए उसे वापस भेज दिया गया। गौरतलब है कि तीन दिन पहले भी यहां तीन विदेशी पकड़े गए थे। हालांकि बाद में दस्तावेज प्रस्तुत किए थे, जिसके बाद उन्हें छोड़ दिया गया था। प्रयागराज में अवैध तरीके से विदेशी नागरिकों के रहने का यह पहला मामला नहीं है। चार महीने पहले यहां युगांडा की एक महिला सिविल लाइंस में अवैध तरीके से स्पा सेंटर में काम करते पकड़ी गई थी। वीजा एक्सपायर होने के बाद भी वह यहां चोरी छिपे रह रही थी। आरोप है कि वह स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार में भी शामिल थी। लगातार अवैध तरीके से विदेशियों के रहने के मामले सामने आने से स्थानीय खुफिया एजेंसियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। रूसी नागरिक वीजा अवधि एक्सपायर होने के बाद भी मेला क्षेत्र में रहते मिला। विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए उसे निर्वासित किया गया है। मेला क्षेत्र में आने वाले विदेशियों का सत्यापन कराया जा रहा है।

महाकुंभ में रूस-यूक्रेन की जंग रोकने को संगम पर अनूठा जतन, सती माता करेंगी शिवशक्तिमहायज्ञ

प्रयागराज। रूस–यूक्रेन के बीच तीन साल से चल रहे विनाशकारी युद्ध को खत्म कराने में दुनिया के कई देशों की मध्यस्थता असरहीन बेशक साबित हुई, लेकिन महाकुंभ में आईं दोनों देशों की साध्वियां शांति और प्रेम के बीज उगाने के जतन करेंगी। रूस की साध्वी उत्तमिका ओम गिरि और यूक्रेन की आदिशक्ति सती माता युद्ध रोकने के लिए महायज्ञ में आहुतियां देंगी। यूक्रेन के खारकीव के रहने वाले श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी विष्णु देवा नंद सरस्वती की दोनों शिष्याएं एक साथ एक ही हवन कुंड पर शांति महायज्ञ में आहुतियां देंगी। महामंडलेश्वर स्वामी विष्णुदेवा नंद के साथ उत्तमिका ओम गिरि और आदिशक्ति सती माता अखाड़े में पहुंच गई हैं। खारकीव में लगातार मिसाइल हमले से तबाही की तस्वीरों को याद कर रुआंसी हो जाती हैं। वह कहती हैं कि यूक्रेन अपनी धरती बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। आदिशक्ति सती माता बताती हैं कि वहां कदम–कदम पर बारूदी धुएं के गुबार, खौफ और दहशत के अलावा कुछ भी नहीं है। फिलहाल, सती माता मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की पावन त्रिवेणी में तीन पहर डुबकी लगाकर शांति को शिव शक्ति महायज्ञ में आहुतियां देंगी। यह महायज्ञ सेक्टर–18 में 25 से 30 जनवरी तक चलेगा। इसमें विश्व समुदाय के 200 से अधिक विदेशी साधु और साध्वियां आहुतियां देंगी। महायज्ञ की तैयारी यूक्रेन के संत महामंडलेश्वर स्वामी विष्णुदेवा नंद खुद करा रहे हैं। इसमें जापान और कनाडा के भी संत उनके साथ हैं। उत्तमिका ओम गिरि कहती हैं, दोनों देशों में शांति की नई बयार जरूरी है। सती माता कुंडलिनी जागृत करने का महाकुंभ में अभ्यास भी करा रही हैं। वह फेसबुक पर भी ऑनलाइन कुंडलिनी पाठ्यक्रम से लोगों को जोड़ती हैं। उनका मानना है कि कुंडलिनी जागरण से ही अवसाद से मुक्ति पाई जा सकती है। यह गहन साधना है।

शरीर पर भस्म लगाए महादेव की भक्तिमें रमे नौ वर्षीय नागा संन्यासी गोपाल गिरी

प्रयागराज। संगम की रेती पर नौ वर्षीय नागा संन्यासी गोपाल गिरी महाराज शरीर पर भस्म लगाए महादेव की भक्ति में रमे हैं। वह हिमाचल के चंबा से यहां पर आए हैं। तीन वर्ष की आयु में ही उनके माता–पिता गुरु दक्षिणा में नागा संन्यासी को सौंप दिए थे। गोपाल गिरी श्री शंभू पंचदशनाम आवाहन अखाड़ के नागा संन्यासी हैं। उनके गुरु थानापति सोमवार गिरी महाराज हैं। वहीं इस कड़ाके की ठंड में गोपाल गिरी निर्वस्त्र अपने गुरु भाइयों के साथ शरीर पर भस्म लगाए महादेव जी की भक्ति लीन रहते हैं। माता–पिता के बारे में पूछने पर वह कहते हैं कि गुरु ही उनके माता–पिता हैं। उनकी सेवा और प्रभु की भक्ति करने में ही उन्हें परमानंद की अनुभूत होती है। उन्हें अपने परिवार के बारे में कुछ नहीं पता हैं। गुरु भाई कमल गिरी बताते हैं कि गोपाल मूल रूप से बरेली के अकबरपुर गांव के रहने वाले हैं। वह चार भाईयों में सबसे छोटे थे। उनके परिवार की बड़े लोगों में गिनती होती है। वहीं कम उम्र में बेटे को संन्यासी बनाने के सवाल पर कमल गिरी महाराज कहते हैं कि एक बच्चा दान करने पर उस परिवार को सात जन्मों का पुण्य मिलता है। उनकी सात पीढ़ी के पाप तर जाते हैं।

श्रीपंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी का महाकुंभ नगर प्रवेश।

महाकुम्भ नगर। श्रीपंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी ने राजसी वैभव के

साथ छावनी क्षेत्र में प्रवेश किया। सनातन धर्म के 13 अखाड़ों में सबसे धनवान कहे जाने वाले श्री पंचायती अखाड़ा महा निर्वाणी ने छावनी क्षेत्र में प्रवेश किया। अलोपी बाग के निकट स्थित महा निर्वाणी अखाड़े की स्थानीय छावनी से अखाड़े का भव्य जुलूस उठा। सबसे पहले महा मंडलेश्वर पद का सृजन करने वाले इस अखाड़े में इस समय 67 महा मंडलेश्वर हैं। अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा में भी इसकी झलक देखने को मिली। अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विशोकानंद जी की अगुवाई में यह छावनी प्रवेश यात्रा शुरू हुई जिसमें आगे आगे अखाड़े के इष्ट भगवान कपिल जी का रथ चल रहा था।

दस वर्ष की आयु में गीता का प्रवचन किया।

महाकुंभ नगर। महा निर्वाणी अखाड़ा सचिव महंत जमुना पुरी बताते है कि साध्वी गीता भारती को अखाड़ों की पहली महा मंडलेश्वर होने का

स्थान प्राप्त है जो उन्हें 1962 में प्रदान किया गया था। निर्वाणी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी हरि हरानंद जी की शिष्या संतोष पुरी तीन साल की उम्र में अखाड़े में शामिल हुई और उन्हें ही यह उपलब्धि हासिल है। दस साल की उम्र में वह गीता का प्रवचन करती थी जिसके कारण राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने उन्हें गीता भारती का नाम दिया और संतोष पुरी अब संतोष पुरी से गीता भारती बन गई। छावनी प्रवेश यात्रा में भी इसकी झलक देखने को मिली जिसमें चार महिला मंडलेश्वर भी शामिल हुई।

अतिथियों के लिए टीवी तो कोई खरीद रहा बेड, कमरे भी बनवाए

प्रयागराज। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए शहर के लोगों ने अपने आशियानों को सजाना शुरू कर दिया है। अब तक 213 लोगों ने अपने घरों के एक हिस्से को पेइंग गेस्ट हाउस योजना के तहत पर्यटन विभाग में पंजीकृत कराया है। इन लोगों ने श्रद्धालुओं के लिए टीवी और बेड खरीदे हैं। सीसीटीवी कैमरे और वाटर प्यूरीफायर लगवाए जा रहे हैं। पूजा के लिए कमरों में देवी–देवताओं की प्रतिमाएं भी रखी ही गई हैं। वहीं, एक व्यक्ति ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो नए कमरे भी बनवाए हैं। मोहत्सिमगंज निवासी समीर पांडेय बताते हैं कि अपने घर के पांच कमरे को निर्माला इन के नाम से पेइंग गेस्ट रूम के रूप में दर्ज कराया है। यहां पांच नए डबल बेड, पांच टीवी, गीजर के साथ सीसीटीवी भी लगवाया है। इन सबसे अब तक लगभग 2.5 लाख रुपये खर्च हुए हैं। ओडिशा के काजू व्यापारी धीरेंद्र महापात्रा ने उनके घर रुकने के लिए पांच से आठ जनवरी तक बुकिंग कराई है। उनके साथ परिवार के 15 लोग संगम में डुबकी लगाने आएंगे। इसी तरह महाराष्ट्र, लखनऊ और बरेली से भी श्रद्धालुओं ने बुकिंग कराई है। छिवकी निवासी संजय मिश्रा बताते हैं कि घर के प्रथम तल के छह कमरों को प्रयागराज के नाम से पर्यटन विभाग में दर्ज कराया है। इसके लिए 10 गद्दे, पांच एलईडी टीवी और सीसीटीवी भी लगवाया है। प्रदेश के अलावा सतना और अहमदाबाद से आने वाले लोगों ने यहां ठहरने की इच्छा जताई है। नैनी एफसीआई के पास रहने वाले राजेश श्रीवास्तव ने भी घर के दो कमरों को नक्षत्र होम स्टे के नाम से पर्यटन विभाग में दर्ज कराया है। उनके यहां तो 13 और 14 जनवरी की 2500 रुपये में बुकिंग भी हो गई है। इस राशि में वह मेहमानों को सुबह की चाय और नाश्ता भी देंगे। यहां मुंबई से दो लोग भी आएंगे। इसके अलावा वदोदरा से भी फोन कर पूछताछ की गई।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062